NSS Activities during Session – 2020-2021

Programme officer

1. Dr. Manoj Dogra
2. Dr. Rakesh Sharma

S. No.	Date	Name of event/ program	No. of Volunteers Participated
1	24 September 2020	Online declamation on “NSS foundation day”.	55
2	October 2020	Cleanliness drive	60
3	14-20 November 2020	Distribution of DIYAS for Diwali celebration and fruits to poor people by NSS volunteers.	40
4	26 November 2020	Online Celebration of Indian constitution Day.	70
5	1 December 2020	Online declamation competition on ‘World AIDS Day’.	60
6	5 December 2020	Cleanliness drive at villages and distribution of masks to the people of village on the occasion of international volunteers' day.	150
7	14 December 2020	State level Pre Republic Day selection camp.	20
	26 December 2020	Online conversation and awareness regarding New Education Policy.	6
8	29 December 2020	Online Selection of volunteers for Zone level National Youth Parliament.	30
9	19 January 2021	Online workshop organized by joint support of RJNIYT Chandigarh in which NSS volunteers learned the trick of Entrepreneurship.	20
10	23 January 2021	Online program was organized in which the biography of ‘’Netaji Subhas Chander Bose’’ was highlighted by Dr. Rakesh Sharma.	45
11	12-18 march 2021	NSS Special 7-days camp was organized.	77
12	05 June 2021	World Environment Day	40
13	01-30 June 2021	Online Yoga campaign activities in villages by NSS volunteers	66
14	26 June 2021	International Day Against Drug Abuse and Illicit Trafficking	54

Distribution of DIYAS for Diwali Celebration and fruits to poor people by NSS volunteers

State level Pre Republic Day selection camp

20 स्वयंसेवी दिल्ली में दिखाएंगे दम

प्री-आरडी कैंप के लिए हिमाचल प्रदेश के स्वयंसेवियों के प्रभारी बनकर दिल्ली जाएंगे डाक्टर राकेश कुमार

निजी संवाददाता- धनेटा

एनएसएस इकाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डा. राकेश कुमार शर्मा प्री आरडी राष्ट्र-स्तरीय चयन शिविर में हिमाचल प्रदेश के स्वयंसेवकों के प्रभारी के रूप में दिल्ली जाएंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना का प्री आरडी शिविर गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारिका दिल्ली में एक दिसंबर से दस दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में राज्य स्तरीय कैंप से चयनित 20 स्वयंसेवक दिल्ली में प्री आरडी परेड के लिए अपना दमखम दिखाएंगे। डा. राकेश कुमार शर्मा ग्राम पंचायत नाल्टी के तहत गांव कपाड़ा के निवासी हैं तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के कर्मठ कार्यक्रम अधिकारी हैं। उन्हे कई वर्षों से राष्ट्रीय सेवा योजना में कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य करने का अनुभव है। वह नेहरू युवा केंद्र की

ओर से आयोजित तीन राष्ट्रीय एकता शिविरों व राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में सहभागिता कर चुके हैं। उन्होंने जनरल-जोरावर सिंह महाविद्यालय धनेटा में 26 से 30 सितंबर 2017 में राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय मेगा शिविर का कैंप कमांडर के रूप में सफल आयोजन किया। प्रारंभ से ही उनका रुझान समाजसेवा की ही रहा है। वे 2001 में नेहरू युवा केंद्र संगठन हिमाचल जोन द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बजौरा कुल्लू में आयोजित राज्यस्तरीय प्रशिक्षण शिविर में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय सेवा कर्मी चुने गए। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप उन्होंने में लीक से हटकर संस्कृति संवर्धन अभियान, बंग-भंग आंदोलन 100वीं वर्षगांठ व 1857 की स्वतंत्रता संग्राम के 150 वर्षगांठ पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा किए गए कार्यों के लिए उन्हें हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में युवा नेतृत्व कार्यक्रम 2016-17 में राज्य स्तरीय पुरस्कार से तारकलिक कुलपति प्रोफेसर एडीएन बाजपेई द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें युवा लेखक मंच नूरपुर द्वारा डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व इतिहास शोध संस्थान नेरी द्वारा शोध कार्य के लिए डा. एमएस आहलूवालिया पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा

चुका है। इस संदर्भ में जब डाक्टर शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उनके लिए गौरव का विषय है कि हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय सेवा योजना व राष्ट्रीय सेवा योजना हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला द्वारा उन्हें जो दायित्व दिया गया है वे उसका निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के 20 स्वयंसेवक उनके साथ दिल्ली के लिए रवाना हो रहे हैं।

Celebration of Indian constitution Day

युवाओं को संविधान को अच्छे से जानना जरूरी

एन.एस.एस. हमीरपुर के स्वयंसेवियों ने मनाया संविधान दिवस

हमीरपुर, 26 नवम्बर (अनिल): नेता जी सुभाष चंद्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व नेहरू युवा केंद्र हमीरपुर व धर्मशाला द्वारा संयुक्त रूप से 71वें संविधान दिवस के अवसर पर डिजिटल तौर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता जिला युवा समन्वयक केंद्र धर्मशाला नरेश शर्मा ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में नरेश शर्मा ने कहा कि आज के लोग अपने अधिकारों के लिए तो सचेत हैं लेकिन वे अपने मौलिक कर्त्तव्यों के प्रति असंवेदनशील रहते हैं। इस संविधान दिवस कार्यक्रम में मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता के रूप में प्रवक्ता राजनीति शास्त्र व एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज डोगरा रहे। अपने वक्तव्य में डा. मनोज ने संविधान के इतिहास, संविधान निर्माण व संविधान के वर्तमान परिप्रेक्ष्य से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान अनेक विद्वानों के कठोर परिश्रम का एक जीवंत साक्ष्य है, जिसका संरक्षण व पालन करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य ही नहीं बल्कि जिम्मेवारी है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नेहरू युवा केंद्र हमीरपुर के जिला युवा समन्वयक रोहित यादव मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में रोहित ने सभी को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलवाई और कहा कि युवाओं को संविधान को अच्छी तरह से जानने की आवश्यकता है क्योंकि युवा ही वर्तमान और भविष्य का समाज हैं। कार्यक्रम के समापन में एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा. राकेश कुमार शर्मा ने धन्यवाद संबोधन दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष, मुख्य वक्ता, विशिष्ट अतिथि व श्रोता ने स्वयंसेवियों का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए सभी का धन्यवाद किया।

शिमला, रविवार, 6 दिसंबर, 2020

डॉ. राकेश ने नेरी शोध संस्थान में किया श्रमदान

हमीरपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के स्वयंसेवकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस पर अपने अपने स्थानों पर कार्य किए। इस दिवस का थीम स्वयंसेवा के माध्यम से हम एक साथ कार्य करें, के अंतर्गत अपने-अपने स्थानों पर स्वेच्छा से कार्य किए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा द्वारा इतिहास शोध संस्थान नेरी में शोधार्थियों के साथ श्रमदान किया। इकाई अध्यक्ष दीक्षित कुमार व रजत ने प्राकृतिक जल स्त्रोतों की सफाई की । स्वयंसेवक सुमित कुमार व रुचि ने अपने गांव के आसपास मास्क बांटे। इकाई के सभी स्वयंसेवकों द्वारा अपने गांव में कार्य किए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज डोगरा ने बताया की संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस पर इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान के साथ-साथ जनकल्याण के कार्य किए।

Cleanliness drive at villages and distribution of masks to the people of village on the occasion of international volunteers' day

हमीरपुर महाविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस पर पेश की **समाजसेवा** की मिसाल

स्वयंसेवियों ने बांटे मास्क, हैंड किए सैनिटाइज

हमीरपुर, 5 दिसम्बर (ब्यूरो): राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर सामाजिक सेवा में एक अलग पहचान कायम की है। इकाई अध्यक्ष ठाकुर दीक्षित धलारिया ने बताया कि उन्होंने व इकाई के अन्य स्वयंसेवियों ने अपने स्थानीय क्षेत्रों में समाजसेवा कर केवल अपना स्वयंसेवी होने का कर्त्तव्य निभाया है तथा इस सेवा भाव को सभी स्वयंसेवी अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। स्वयंसेवी अपने सेवा कार्यों से दूसरों के लिए खुशी की वजह बनेंगे।

इस अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस पर इकाई के स्वयंसेवियों ने जरूरतमंदों को मास्क वितरित किए। इस महामारी के दौर में स्वयंसेवियों ने बुजुर्गों का हाल भी जाना। यही नहीं स्वयंसेवियों ने हमारी संस्कृति के आधार प्राकृतिक जल स्रोतों की भी स्वैच्छिक सेवा भाव से सफाई करके इन्हें संवारा। राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय हमीरपुर के कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज डोगरा ने कहा कि इकाई के स्वयंसेवी अपने स्वयंसेवी होने का कर्त्तव्य पूरी निष्ठा, लगन व सेवा भाव से निभा रहे हैं। कार्यक्रम अधिकारी डा. राकेश कुमार शर्मा ने भी स्वयंसेवियों के इन सेवा प्रयासों को सराहा। अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के सेवा अभियान में इकाई अध्यक्ष दीक्षित के साथ स्वयंसेवी रजत ठाकुर, आकृत व रुचि शर्मा ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई है।

हमीरपुर : अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के मौके पर जरूरतमंदों को मास्क बांटते, सैनिटाइज करवाते व झाड़ियां काटते स्वयंसेवी। (ब्यूरो)

इसलिए मनाया जाता स्वयंसेवक दिवस

1985 से 5 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक संकल्प द्वारा प्रति वर्ष 5 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी, यह दिन उन सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट करने के लिए मनाया जाता है जो बिना किसी मौद्रिक लाभ के स्वैच्छा से सेवा कार्य कर रहे हैं और अन्य लोगों की सहायता करते हैं।

'स्वयंसेवियों ने किया श्रमदान'

गलोड़, 5 दिसम्बर (मिलाप): अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने स्थानों पर कार्य किए। कार्यक्रम अधिकारी डा. राकेश कुमार शर्मा ने इतिहास शोध संस्थान नेरी में शोधार्थियों के साथ श्रमदान किया। इकाई अध्यक्ष दीक्षित कुमार व रजत ने जल स्रोतों की सफाई की। स्वयंसेवक सुमित कुमार व रुचि ने गांव के आसपास मास्क बांटे। कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज डोगरा ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस पर इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान के साथ-साथ जनकल्याण के कार्य भी किए गए।

Online programme was organized in which the biography of ''Netaji Subhas Chander Bose'' was highlighted by Dr. Rakesh Sharma

95 ग्राम चरस बरामद हुइ।

'देशभक्ति, शौर्य व बलिदान की मूर्ति थे सुभाष चंद्र बोस' : डा. राकेश

कालेज में गूगल मीट के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित

बंगाणा, 23 जनवरी (शर्मा): अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय महाविद्यालय बंगाणा में एन.एस.एस. इकाई द्वारा सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर विशेष व्याख्यान का आयोजन गूगल मीट द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष व्याख्यान का संचालन प्रो. सिकंदर नेगी ने किया। विशेष व्याख्यान के मुख्य वक्ता डा. राकेश कुमार ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस देशभक्ति, त्याग, वीरता, शौर्य, पराक्रम व बलिदान की सच्ची मूर्ति थे। भारत माता को आजाद करवाने में जिन महान विभूतियों ने अपना सर्वस्व मां भारती के श्री चरणों में समर्पित कर दिया, उनमें सुभाष चंद्र बोस का नाम प्रमुख है। अदम्य भावना और राष्ट्र के लिए निःस्वार्थ सेवा के सम्मान में उनकी 125वीं जयंती को 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया। इससे देश के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और उनमें देशभक्ति और साहस की भावना निहित होगी। सुभाष चंद्र का जन्म ओडिशा के प्रसिद्ध नगर कटक में 23 जनवरी, 1897 को पिता जानकी नाथ और माता प्रभावती बोस के घर हुआ था।

5 अप्रैल, 1943 को विधिवत रूप से आजाद हिंद फौज की स्थापना की घोषणा की गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की कमान संभाली। 30 दिसम्बर, 1943 को नेताजी ने भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर पहुंचकर पोर्ट ब्लेयर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। 17 अगस्त, 1945 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने वायुयान द्वारा रंगून से प्रस्थान किया। 5 दिन बाद 22 अगस्त, 1945 को टोक्यो रेडियो ने घोषणा की कि 18 अगस्त, 1945 को जापान जाते समय ताईवान के पास वायुयान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। 18 अगस्त, 1945 की प्रात: सुभाष जी नश्वर शरीर होते हुए भी अजर-अमर हो गए। इस अवसर पर एन.एस.एस. प्रोग्राम अधिकारी डा. आरती देवी व अन्य मौजूद रहे।

गूगल मीट द्वारा सुभाष चंद्र बोस जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागी।

दौलतपुर चौक : अम्बोटा गांव में शहीद स्मारक पर नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाते हुए शहीद भगत सिंह क्लब के सदस्य व (दाएं) साई स्पोर्ट्स क्लब डंगोह में नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर बच्चे व सदस्य सामूहिक चित्र में। (परमार)

'नेता जी सुभाष चंद्र बोस की कुर्बानियां की याद'

दौलतपुर चौक, 23 जनवरी (परमार): शहीद भगत सिंह क्लब अम्बोटा ने शहीद स्मारक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी कुर्बानियों को याद किया। इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने मिठाई बांटकर उनके दिखाए मार्ग पर चलने का प्रण लिया।

क्लब के प्रधान जगजीत सिंह ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे।

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने विदेशों में रहकर अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन किया। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने देश को अंग्रेजों से आजाद करवाने के लिए तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा दिया था और युद्ध लड़कर अंग्रेजों को परास्त करने में अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पटेल सिंह, मनीष ठाकुर, रणवीर राणा, अमृत पाल, राजेश वैद्य, रछपाल सिंह, मुनीश शर्मा, मोहिंदर सिंह लवली, मनजीत सिंह, लखवीर सिंह, निशांत ठाकुर व शम्मी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

साई स्पोर्ट्स क्लब डंगोह की ओर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 125वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर नेताजी के बलिदान को याद करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का प्रण लिया गया। इस मौके पर समाजसेवी राजेश डोगरा, जितेन्द्र राणा, रिया, तमन्ना, गरिमा, सुरेश, आयुष, भावना व अमित सहित अन्य गण्यमान्य मौजूद रहे।

NSS Special 7-days camp activities

अनुशासन ही समाज सेवा का सबसे बड़ा धर्म : डॉ. अंजु

हमीरपुर, 12 मार्च (कपिल) : स्थानीय नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष कार्य शिविर का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अंजू बत्ता सहगल ने बतौर मुख्यातिथि कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने स्वयंसेवीयो को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज व राष्ट्र सेवा को विद्यार्थियों को अपने सामाजिक व दैनिक जीवन में व्यक्तित्व का हिस्सा बनाना चाहिए। सेवा भाव के लिए किसी समय विशेष का इंतजार नही किया जाता बल्कि सेवा भाव के लिए प्रत्येक समय ही विशेष होता है। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज डोगरा ने कार्यक्रम की मुख्यातिथि व उपस्थित लोगों का कार्यक्रम में स्वागत करते हुए कहा कि एनएसएस अपने स्थापना दिवस से ही ''जनसेवा'' का एक नया अध्याय लिखते जा रहे हैं। एनएसएस स्वयंसेवी इसके ध्येय वाक्य के समरूप ''स्वयं से पहले आप'' की भावना से कार्य करते हुए आज समाजसेवा व राष्ट्र सेवा की एक अनोखी मिसाल पेश कर रहे है। उन्होंने कहा कि एनएसएस से समाज सेवा को हमने समाज में जन जन तक पहुंचाना है। विशेष सात दिवसीय शिविर कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि आज? से अगले सात दिनों तक एनएसएस के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए स्वयंसेवी महाविद्यालय में क्रियाशील होगें। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर एनएसएस के स्वयं सेवी ''आजादी के अमृत वर्ष'' कार्यक्रम से भी स्वतंत्रता आंदोलन में लोगो के योगदान को याद करेंगे। यहां विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्वयंसेवीयों का सर्वांगीण विकास होगा। इंकाई के इंकाई अध्यक्ष दीक्षित धलारिया, रितिक परमार, सारिका शर्मा व इप्शिता ने पौधा देकर मुख्यातिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय उप प्राचार्य डॉ. मधुर स्वर मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का धन्यवाद करते हुए स्वयंसेवियों से अनुशासन में रहकर सेवा भाव से कार्य करने की अपील की। इस सात दिवसीय विशेष कार्य शिविर कार्यक्रम मे प्रो. युद्धवीर सिंह पटियाल, डॉ. संजय कानूनगो, डॉ. राजकुमार व प्रो. सतीश सोनी इत्यादि भी मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

स्वयंसेवियों के साथ कॉलेज स्टाफ सामूहिक चित्र में।

Online activities during second wave Covid-19

पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया

हमीरपुर, (आपका फैसला)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज डोगरा व डॉ राकेश शर्मा ने बताया कि पर्यावरण एवं सतत विकास भारत के परिप्रेक्ष्य में विषय के केन्द्र में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ। इस वेबिनार की अध्यक्षता हमीरपुर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अंजू बत्ता सहगल ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश विश्वविद्यालय में कार्यरत भूगोल के सह-आचार्य, राज्य एनएसएस समन्वयक डॉ. बीआर ठाकुर ने शिरकत की। अध्यक्षीय संबोधन देते हुए डॉ. अंजू बता सहगल ने कहां कि एक तरफ हम आधुनिक मनुष्य पेड़ों, नदियों व पहाड़ों की पूजा करते हैं, इन्हें देवी देवता के रूप में पूजते हैं, तो दूसरी ओर नदियों में गंदगी बहाते हैं और प्राणवायु देने वाले पेड़ों को स्वार्थ पूर्ति के लिए काट देते हैं। उन्होंने कहा कि आज के इन आधुनिक मनुष्यों ने ही पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को अस्थिर किया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. बीआर ठाकुर ने पर्यावरण और सतत विकास भारत के परिपेक्ष्य में विषय केंद्र में अपना वक्तव्य रखा। उन्होंने गौरा देवी, किंकरी देवी व सुंदर लाल बहुगुणा जैसे अनेक पर्यावरण संरक्षकों के उदाहरण देते हुए पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की भी अपील की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज डोगरा ने स्वागत करते हुए कहा कि 1972 से मनाए आते जा रहे इस पर्यावरण दिवस यानि पर्यावरण संरक्षण की ज्योति जगाने वाले इस खास दिवस को महाविद्यालय हमीरपुर द्वारा लगातार मनाया जाता रहा है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ राकेश शर्मा ने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता व कार्यक्रम अध्यक्ष का परिचय रखा तथा कार्यक्रम विषय से भी सबको अवगत करवाया।

प्रशिक्षण सेमिनार: योग और ध्यान तनाव को जड़ से करता है दूर: श्वेता आनंद

हमीरपुर | योग और ध्यान से हम अपने शरीर, श्वास एवं मन को एकागर करके बड़ी आसानी से अपने आप को तनाव मुक्त कर सकते हैं। यह बात नरेंद्र कुमार आनंद राष्ट्रीय समन्वयक यूथ एंपावरमेंट ग्रुप अमृता विश्व विद्यापीठम केरल और श्वेता आनन्द मुख्य प्रशिक्षक ने राष्ट्रीय सेवा योजना हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी शिमला में इंटीग्रेटेड अमृता मेडिटेशन टेक्निक पर ऑनलाइन आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण सेमिनार के समापन पर कही। उन्होंने कहा कि यह तकनीक अति सरल, प्रभावशाली ध्यान-शैली है। जिसे विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु एवं समाजसेवी माता अमृतानंदमयी देवी ने विकसित किया है। डॉ. बीआर ठाकुर कहा कि आज हमारा जीवन बहुत जटिल प्रतिस्पर्धा वाला हो गया है।

'प्राकृतिक संतुलन अस्थिर होना चिंताजनक'

- **विश्व पर्यावरण दिवस पर हमीरपुर में सम्पन्न हुआ एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वैबिनार**

हमीरपुर, 6 जून (कपिल) : प्रत्येक वर्ष 1972 से मनाए जाने वाले विश्व के सबसे बड़े वार्षिक आयोजन पर्यावरण दिवस की इसी कड़ी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज डोगरा व डॉ राकेश कु. शर्मा ने संयुक्त प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि ह्यपर्यावरण एवं सतत विकास: भारत के परिप्रेक्ष्य मेंह्व विषय के केन्द्र में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ इस वेबिनार की अध्यक्षता हमीरपुर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अंजू बत्ता सहगल ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में कार्यरत भूगोल के सह-आचार्य, प्रदेश राज्य एनएसएस समन्वयक डॉ बी.आर. ठाकुर ने शिरकत की। डॉ. अंजू बता सहगल ने कहां की, एक तरफ हम आधुनिक मनुष्य पेड़ों, नदियों व पहाड़ों की पूजा करते है इन्हें देवी देवता के रूप में पूजते हैं तो दूसरी ओर नदियों में गंद बहाते हैं और प्राणवायु देने वाले पेड़ों को स्वार्थ पूर्ति के लिए काट देते हैं, आज के इन आधुनिक मनुष्यों ने ही पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को अस्थिर किया है। डॉ. बी.आर. ठाकुर ने अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि, हम सभी को पर्यावरण का संतुलन बनाए रखकर बिना पर्यावरण प्रभाव के सतत विकास के आयाम को हासिल करने की आवश्यकता है, भारत तेजी से शहरीकरण की ओर अग्रसर है, लेकिन शहरों में बिस्लैरी बोतल से पानी पीने के अलावा कोई और स्वस्थ्य विकल्प नजर नही आता है जोकि चिंता का विषय है। ऐसे विषयों पर भारत को अपनी पर्यावरणीय नीति की आवश्यकता है।

वैबिनार में भाग लेते हुए सदस्य।

गौरा देवी, किंकरी देवी व सुन्दर लाल बहुगुणा जैसे अनेक पर्यावरण संरक्षको के उदाहरण देते हुए पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि जब तक प्रकृति स्थिर नहीं होगी तब तक संस्कृति स्थिर तथा शांति व सौहार्द की स्थापना नही की जा सकती है, उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के लोग पेड़ काटकर उनसे कागज बनाकर पेड़ न काटने पर निबंध लिखते है।

कार्यक्रम अधिकारी ने किया स्वागत

इस कार्यक्रम के शुभारंभ में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज डोगरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि 1972 से मनाते आ रहे इस पर्यावरण दिवस यानि पर्यावरण संरक्षण की ज्योति जगाने वाले इस खास दिवस की हिस्सा महाविद्यालय हमीरपुर द्वारा करवाए जा रहे है वेबिनार में बन रहे है।

कार्यक्रम विषय से सबको करवाया अवगत

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राकेश कु. शर्मा ने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता व कार्यक्रम अध्यक्षा का परिचय रखा तथा कार्यक्रम विषय से भी सबको अवगत करवाया, धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि इस वेबिनार में अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करवाने पर आप सभी का हार्दिक आभार तथा पर्यावरण दिवस पर ही नही बल्कि प्रत्येक दिन पर्यावरण के बारे में चिंतन कर इसके संरक्षण पर कार्य करना चाहिए। इस वर्चुअली कार्यक्रम में महाविद्यालय के अनेक आचार्य गण व राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के स्वयंसेवी तथा अन्य छात्र गण भी मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

दैनिक सवेरा Mon, 07 June 2021
epaper.dainiksaveratimes.org/c/60958699

प्रदेश में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंतनीय

गलोड़ : नशा निवारण मुक्ति पर ऑनलाइन वैबिनार में भाग लेते प्राध्यापक। (मिलाप)

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण मुक्ति दिवस पर ऑनलाइन वैबिनार का आयोजन

गलोड़, 27 जून (मिलाप): राष्ट्रीय सेवा योजना हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण मुक्ति दिवस पर ऑनलाइन वैबिनार का आयोजन किया। वैबिनार में ओम प्रकाश शर्मा सलाहकार एवं समन्वयक हिमाचल प्रदेश नशा निवारण बोर्ड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. एच.एल. शर्मा अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना हिमाचल प्रदेश ने की। डा. बी.आर. शर्मा को-ऑर्डीनेटर राष्ट्रीय सेवा योजना हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ओम प्रकाश शर्मा ने स्वयंसेवकों से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए हिमाचल प्रदेश में नशे के बढ़ते हुए मामलों पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि हम सभी को सजग रहकर इस भयंकर रोग से समाज को बाहर निकालना होगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. एच.एल. शर्मा ने कहा कि नशे के बढ़ते मामलों से युवाओं को और सजग रहने की आवश्यकता है। अत: हमें युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूकता अभियान चलाने होंगे, जिसके लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी अहम भूमिका निभा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि डा. बी.आर. ठाकुर ने स्वयंसेवकों द्वारा कोविड महामारी में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए आह्वान किया कि वे स्वयं तो नशे से दूर रहें और साथ में अपने समाज को भी जागरूक करें। कार्यक्रम अधिकारियों व स्वयंसेवकों ने परिचर्चा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में डा. मलकीत सिंह, डा. राजकुमार, डा. राजमल, डा. यशपाल, डा. मोनिका व डा. मनोज डोगरा सहित प्रदेश भर के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

'स्वयंसेवी निभा रहे सकारात्मक जिम्मेदारी'

हमीरपुर, 21 मई (अनिरुद्ध): कोरोना महामारी ने भले ही समस्त मानव समाज को डरा कर घरों में कैद कर दिया हो लेकिन यह महामारी इतनी भी घातक नहीं कि एन.एस.एस स्वयंसेवियों के हौसलों को ही तोड़ दे। इन्हीं अटूट हौसलों से पंजीकरण व टीकाकरण जागरूकता अभियान से कोरोना के नकारात्मक दौर में सकारात्मकता की अलख जगा रहे हैं हमीरपुर के एन.एस.एस. स्वयंसेवी। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के इकाई अध्यक्ष ठाकुर दीक्षित धलारिया ने बताया कि एन.एस.एस. स्वयंसेवी का नाम ही स्वयंसेवियों को सेवा भाव से कार्य करने के लिए प्रेरणा तथा ऊर्जा से भर देता है। इसी कड़ी में एक सप्ताह से एन.एस.एस. स्वयंसेवियों ने पंजीकरण व टीकाकरण जागरूकता अभियान संचालित किया है जिसमें वे पंजीकरण कर लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम अधिकारी मनोज डोगरा व राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि एन.एस.एस. स्वयंसेवी घरों में रहकर डिजिटल माध्यमों से जागरूक कर रहे हैं। महाविद्यालय प्राचार्य डा. अंजू बत्ता सहगल ने स्वयंसेवियों के कार्यों की प्रशंसा की है।

शरीर, श्वास व मन को एकीकृत कर हो सकते हैं तनाव मुक्त : नरेन्द्र

हमीरपुर, 27 जून (कपिल) : शरीर, श्वास व मन को एकीकृत कर के हम बड़ी आसानी से तनाव मुक्त हो सकते हैं। ये विचार नरेंद्र कुमार आनंद राष्ट्रीय समन्वयक यूथ एम्पावरमैंट ग्रुप अमृता विश्व विद्यापीठम केरल ने राष्ट्रीय सेवा योजना हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला में इंटीग्रेटेड अमृता मैडिटेशन टैक्नीक पर आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन अवसर पर रखे। प्रशिक्षण कार्यशाला में नरेन्द्र कुमार आनंद मुख्यातिथि व श्वेता आनन्द मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। बतौर मुख्यातिथि आनन्द ने कहा कि यह तकनीक अति सरल व प्रभावशाली ध्यानशैली है, जिसे विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु व समाजसेवी माता अमृतानंदमयी देवी ने विकसित किया है। इस तकनीक के माध्यम से आदमी आसानी से तनाव मुक्त रह सकता है। यूथ एम्पावरमैंट ग्रुप की अधिकारी व मुख्य प्रशिक्षक श्वेता आनन्द ने व्यायाम, योग व ध्यान की बारीकियों को समझाते हुए कहा कि आज के तनाव भरे वातावरण से योग व ध्यान के माध्यम से मुक्ति पाई जा सकती है। कार्यक्रम अध्यक्ष डा. बी.आर. ठाकुर समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज हमारा जीवन बहुत जटिल हो गया है। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला में प्रदेश भर के महाविद्यालयों के कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज डोगरा, डा. मलकीयत सिंह, डा. श्रवण कुमार, डा. मोनिका, कृष्ण कुमार, दिवेकल, कविता, इशिका, प्रियंका, सोनिका व बन्दना सहित 150 से अधिक स्वयंसेवी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेते हुए पदाधिकारी।

स्वयंसेवियों ने चलाया कोविड पंजीकरण

हमीरपुर | कोरोना महामारी ने भले ही समस्त मानव समाज को डरा कर घरों में कैद कर दिया हो। लेकिन यह महामारी इतनी भी घातक नहीं कि एनएसएस स्वयंसेवियों के सामाजिक सेवा वाले हौसलों को पस्त कर दें। इन्ही अटूट हौसलों की बदौलत पीजी कॉलेज हमीरपुर एनएसएस स्वयं सेवक पंजीकरण व टीकाकरण जागरुकता अभियान से कोरोना के नकारात्मक दौर में सकारात्मकता की अलख जगा रहे है। इकाई अध्यक्ष ठाकुर दीक्षित धलारिया ने बताया कि एनएसएस का स्वयंसेवी होना ही स्वयंसेवियों के लिए उन्हें सेवा भाव से कार्य करने के लिए प्रेरणा व ऊर्जा से भर देता है। इसी कड़ी में एक सप्ताह से एनएसएस स्वयंसेवियों ने पंजीकरण व टीकाकरण जागरुकता अभियान चलाया है।

हिमाचल प्रदेश एनएसएस के स्वयंसेवी एक महीने से ज्ञानदान कर निभा रहे अपना स्वयंसेवी कर्तव्य

स्वतंत्र हिमाचल
(सैंज)प्रेम सागर चौधरी

कोरोना महामारी ने इस भयावह दौर में विद्यार्थियों को घरों के अंदर कैद कर दिया है शिक्षा के स्थान पर तनाव चिंता से इनका शोषण लम्बे समय से होता आ रहा था इस स्थिति को दूर कर शोषण से शिक्षण तक के सफर को साकार किया है एनएसएस हिमाचल प्रदेश के महाविद्यालयी स्वयंसेवीयों ने।

एनएसएस मेरी पाठशाला के प्रदेश व मीडिया समन्वयक ठाकुर दीक्षित धलारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि एनएसएस मेरी पाठशाला अभियान एनएसएस हिमाचल प्रदेश के राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ एच एल शर्मा जी व प्रदेश विश्वविद्यालय एनएसएस समन्वयक डॉ बी आर ठाकुर जी के सानिध्य व मार्गदर्शन में समस्त प्रदेश के स्वयंसेवीयों के सक्रिय रचनात्मक प्रयासों से संचालित किया जा रहा है। आज एनएसएस मेरी पाठशाला" को संचालित किए हुए एक महिना पूर्ण हो चुका है इस एक महिने के सफर में प्रदेश के लगभग 600 स्कूली विद्यार्थी अपना ज्ञान समृद्ध करने हेतु अभियान से जुड़े है तथा अपने विषयों में मजबूत पकड़ रखने वाले लगभग 20 स्वयंसेवी इनके मस्तिष्क में ज्ञान रूपी मूर्ति को तराशने में जी–जान से लगे है। साथ में ही पढ़ाई का ज्यादा बोझ इनके दिमाग व कन्धों पर ना पड़ें इसके लिए प्रत्येक रविवार को मस्ती की पाठशाला विशेष मनोरंजन कार्यक्रम भी संचालन में रहता है जिसमें प्रत्येक रविवार को देश के विभिन्न राज्यों से छात्र स्वयंसेवी जुडकर इनका मनोरंजन करते है तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को भी साकार करने का प्रयास करते है इसके अन्तर्गत गुजरात ,केरल व पश्चिम बंगाल से अभी तक कार्यक्रम छात्रों के लिए आयोजित करवाए जा चुके है तथा इसी क्रम में आगे भी संचालन में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहेगा।

एनएसएस मेरी पाठशाला के प्रदेश समन्वयक गौरव जी व सिद्धांत जी वह जिला कुल्लू से समन्वयक सुमन ठाकुर ने अभियान के विषय मे जानकारी देते हुए बताया कि आज हमारे एनएसएस मेरी पाठशाला कार्यक्रम को संचालित किए हुए एक मास पूर्ण हो रहा है, ज्ञानदान विशेष कार्यक्रम चलाने के पीछे हमारा उद्देश्य प्रदेश के छात्रों को शिक्षा के साथ विभिन्न रचनात्मक माध्यमों से जोड़े रखना है ताकि समाज में शिक्षा की प्रखर ज्योति सदैव प्रज्वलित रहे।

लोगों को जागरूक कर रहे एनएसएस स्वयंसेवी

हमीरपुर : नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की एनएसएस इकाई अध्यक्ष दीक्षित धलारिया ने बताया कि जबसे कोरोना महामारी फैली है तब से स्वयंसेवी शारीरिक दूरी रखने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं और बुजुर्गों की देखभाल भी कर रहे हैं। एक सप्ताह से स्वयंसेवियों ने पंजीकरण व टीकाकरण जागरूकता अभियान चलाया है। इस दौरान वे टीकाकरण के लिए लोगों का पंजीकरण कर रहे हैं। कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज डोगरा व डा. राकेश कुमार ने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवी घरों में रहकर डिजिटल माध्यमों को कोरोना के खिलाफ हथियार बनाकर समाज को जागरूक कर रहे हैं। प्राचार्य डा. अंजू बत्ता सहगल ने स्वयंसेवियों के कार्यों की प्रशंसा की। संस